VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

All India

GS Mains PYQs plus

Test Series 2025

(Decode Past to Master the Present)

अहमदाबाद बेंगलूरु भोपाल चंडीगढ़ दिल्ली गुवाहाटी हैदराबाद जयपुर जोधपुर लखनऊ प्रयागराज पुणे राँची

कार्यक्रम के बारे में

UPSC CSE मुख्य परीक्षा की तैयारी का कोई भी तरीका पिछले वर्षों के प्रश्नों के व्यापक विश्लेषण और अभ्यास के बिना अधूरा है। UPSC के वास्तविक प्रश्नों के उत्तर लिखने का कोई विकल्प नहीं है।

पिछले वर्षों के प्रश्नों (PYQs) का अभ्यास परीक्षा के बदलते स्वरूप, वास्तविक जटिलता और परीक्षक की मानसिकता की अद्वितीय समझ प्रदान करता है। कई टॉपर्स लगातार अपनी रणनीति के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में PYQs को हल करने पर बल देते हैं।

इस महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करने के लिए, VisionIAS ने "ऑल इंडिया जीएस मेन्स PYQ-प्लस टेस्ट सीरीज़" लॉन्च की है। यह एक विशेष कार्यक्रम है जो UPSC के वास्तविक PYQs को अंतर्राष्ट्रीय संबंध (IR), पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (S&T) जैसे डायनेमिक विषयों पर आधारित करेंट अफेयर्स प्रश्नों के साथ जोड़ता है। यह एक संरचित, विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिसमें निर्देशात्मक विश्लेषण, स्मार्ट वैल्यू एडिशन और इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम™ शामिल हैं, ताकि अभ्यर्थी UPSC मुख्य परीक्षा की बदलती मांगों में महारत हासिल कर सकें।

जीएस मेन्स PYQ प्लस टेस्ट सीरीज क्यों?

यह क्यों आवश्यक है	यह मेन्स सफलता के लिए कैसे सशक्त बनाता है
100% PYQ आधारित टेस्ट	➤ वास्तविक UPSC PYQs के साथ अभ्यास ➤ UPSC की अपेक्षाओं के अनुरूप सटीक भाषा, संरचना और गहराई को प्रतिबिंबित करता है।
PYQs की बढ़ती प्रासंगिकता	➤ पुराने प्रश्नों को नए संदर्भों (नीतियाँ, वैश्विक घटनाएँ, रिपोर्ट्स) के साथ जोड़कर वर्तमान UPSC की माँग के अनुकूल बनाता है।
स्टैटिक-डायनेमिक विषयों का समन्वय	➤ मूल अवधारणाओं को हाल के विकास के साथ जोड़ने की क्षमता विकसित करता है, जिससे उत्तर अधिक प्रासंगिक और प्रभावी बनते हैं।
सिर्फ याद करना नहीं, कौशल-निर्माण पर फोकस	➤ Passive Writing से आगे बढ़कर Active Answer Crafting , संरचना और मूल्यवर्धन पर ध्यान केंद्रित करता है।
पैटर्न की पहचान एवं ट्रेंड मैपिंग	➤ विभिन्न वर्षों और प्रश्नपत्रों में पूछे गए अक्सर बार-बार पूछे जाने वाले टॉपिक्स को समझने की क्षमता बढ़ाता है।
लेखन के लिए आत्मविश्वास बढ़ाए	➤ UPSC की शैली और भाषा से परिचित होने पर परीक्षा का तनाव कम होता है और समय प्रबंधन में सुधार होता है।
टॉपर्स की रणनीति	➤ सफल अभ्यर्थियों द्वारा अपनाई गई पद्धति- PYQs को लिखना और विश्लेषण करना- तैयारी का मूल आधार है।

कार्यक्रम में क्या शामिल है?

व्यापक परीक्षा प्रारूप: पिछले वर्षों के प्रश्न एवं समसामयिक विषय

- प्रत्येक GS (सामान्य अध्ययन) पेपर को विषयवार, सब-टॉपिक्स और थीम्स में विभाजित किया गया है ताकि लक्षित और समग्र तैयारी सुनिश्चित हो सके।
- सीधे UPSC मेन्स के पिछले वर्षों के प्रश्नों (PYQs) और चुनिंदा डायनेमिक प्रश्नों (स्पष्ट रूप से अलग किए गए) पर आधारित टेस्ट।

---

12 High-Impact Tests

- **8 सेक्शनल टेस्ट:** जीएस-1, जीएस-2, जीएस-3 और जीएस-4 के लिए दो-दो सेक्शनल टेस्ट, जो सभी प्रमुख थीम और सब-टॉपिक्स को कवर करते हैं।
- **4 फुल-लेंथ टेस्ट:** प्रत्येक जीएस पेपर के लिए एक व्यापक मॉक टेस्ट, जो वास्तविक UPSC मेन्स परीक्षा के वातावरण का अनुकरण करता है।

करेंट अफेयर्स से जोड़ना

- डायनेमिक और करेंट थीम्स पर आधारित चुनिंदा नए प्रश्न (स्पष्ट रूप से अलग किए गए) शामिल किए गए हैं, जो परीक्षा के बदलते ट्रेंड्स के अनुरूप हैं।
- मॉडल उत्तरों को वर्तमान घटनाओं के साथ अपडेट किया गया है ताकि उनकी प्रासंगिकता बनी रहे।

विशेषज्ञों द्वारा विश्लेषित मॉडल उत्तर

- विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए गए उत्तर, जिनमें प्रश्नों का विखंडन (Deconstruction), निर्देशों की व्याख्या और स्कोर बढ़ाने के लिए समृद्ध सामग्री (Enriched Content) शामिल है।

लचीला टेस्ट शेड्यूल

- वैज्ञानिक ढंग से डिज़ाइन किया गया टेस्ट शेड्यूल, जिसमें टेस्ट को पोस्टपोन करने (लेकिन प्रीपोन नहीं) की सुविधा है।
- ऑफलाइन या ऑनलाइन मोड में अपनी सुविधा के अनुसार टेस्ट दे सकते हैं।

टेस्ट के बाद डिस्कसन सेशन

- VisionIAS के विशेषज्ञों द्वारा ऑफलाइन और ऑनलाइन पोस्ट-टेस्ट डिस्कसन।

गहन मूल्यांकन एवं फीडबैक

- अनुभवी विशेषज्ञों की टीम द्वारा अभ्यर्थी के प्रदर्शन का मूल्यांकन और उपयोगी सुझाव।
- विस्तृत फीडबैक में प्रश्नवार टिप्पणियाँ, सुधार के सुझाव और मूल्यवर्धन पर मार्गदर्शन शामिल है।

व्यक्तिगत वन-टू-वन मेंटरशिप

- संशय समाधान और रणनीति परामर्श के लिए ऑन-डिमांड वन-टू-वन मेंटरिंग।
- टेलीफोन, ईमेल और व्यक्तिगत बातचीत के माध्यम से मल्टी-प्लेटफॉर्म सहायता।

कार्यक्रम के परिणाम

UPSC के सोचने की प्रक्रिया को समझना और PYQs के माध्यम से प्रमुख ट्रेंड्स का विश्लेषण

समय प्रबंधन कौशल विकसित करना ताकि जीएस मेन्स पेपर समय पर पूर्ण किए जा सकें

विश्लेषणात्मक सोच (क्रिटिकल थिंकिंग) और उन्नत उत्तर-लेखन कौशल का विकास

सिम्युलेटेड परीक्षा अनुभव और मनोवैज्ञानिक तैयारी

प्रभावी रिवीजन और ज्ञान का समेकन

प्रेरणा, आत्मविश्वास निर्माण और परीक्षा के लिए बेहतर तैयारी

कार्यक्रम का विवरण

हिन्दी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में उपलब्ध

मॉड्यूल	माध्यम	टेस्ट की संख्या	प्रारंभ	कार्यक्रम की संरचना	शुल्क (सभी करों सहित)
3191	हिन्दी	12	6 जुलाई, 2025	8 सेक्शनल+4 फुल-लेंथ टेस्ट	7000 रुपए

छूट विवरण

VisionIAS Student: 25%	UPSC Interview Student: 40%	VisionIAS Classroom Student: 50%	Selected Students: 50%

नोट-

- ऑनलाइन/डिस्टेंस लर्निंग के छात्र मॉक टेस्ट पेपर के प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका और मॉडल-उत्तर-विश्लेषण VisionIAS स्टूडेंट पोर्टल से डाउनलोड कर सकते हैं।
- टेस्ट सीरीज़ की वैधता UPSC Mains 2025 से 15 दिन पहले तक रहेगी
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका व मॉक टेस्ट पेपरों का मॉडल-उत्तर-विश्लेषण नहीं भेजा जाएगा।
- वैल्यू एडिशन/करेंट अफेयर्स/अन्य सामग्री केवल सॉफ्ट कॉपी में उपलब्ध कराई जाएगी।
- टेस्ट डिस्कशन से संबंधित जानकारी ईमेल, टेक्स्ट मैसेज और छात्र के पोर्टल के माध्यम से अधिसूचित की जाएगी।
- VisionIAS सामग्री केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए है। कॉपीराइट उल्लंघन के मामले में, टेस्ट सीरीज में प्रवेश को रद्द किया जा सकता है क्योंकि छात्रों को यूपीएससी अनुक्रमांक और अन्य प्रासंगिक विवरण प्रदान करने के लिए जब भी आवश्यक है अनुरोध किया जा सकता है।
- एक बार भुगतान किया गया फीस किसी भी परिस्थिति में गैर-वापसी योग्य और गैर-हस्तांतरणीय है।
- VisionIAS के पास जरूरत पड़ने पर टेस्ट सीरीज शेड्यूल, इसके समय आदि में कोई भी बदलाव करने के सभी अधिकार सुरक्षित हैं।
- VisionIAS टेस्ट सीरीज सेंटर अनुसूचित अवकाशों के अतिरिक्त सप्ताह में सातों दिन टेस्ट देने के लिए खुला रहता है।

कार्यक्रम की संरचना

टेस्ट संख्या (कोड)	मॉक टेस्ट की तिथि	GS के विषय	शामिल टॉपिक (अधिकतम अंक: 250, टेस्ट की अवधि: 3 घंटे)
टेस्ट 1 (4259)	**जुलाई 6, 2025**	**GS1: आधुनिक भारतीय इतिहास + स्वतंत्रता-पश्चात इतिहास+भूगोल**	**आधुनिक भारत** • 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास-महत्वपूर्ण घटनाएं, व्यक्तित्व, विषय। • स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान। **स्वतंत्रता-पश्चात** • स्वतंत्रता के पश्चात देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन। **भूगोल** • विश्व के भौतिक-भूगोल की मुख्य विशेषताएं। • विश्वभर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिए जिम्मेदार कारक। • भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएं, भूगोलीय विशेषताएं और उनके स्थान-अति महत्वपूर्ण भूगोलीय विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणि-जगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव।
टेस्ट 2 (4260)	**जुलाई 9, 2025**	**GS1: भारतीय कला और संस्कृति + विश्व इतिहास + समाज**	**कला और संस्कृति** • भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे। **विश्व इतिहास** • विश्व के इतिहास में 18वीं सदी की घटनाएं यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव। **समाज** • भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं, भारत की विविधता। • महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं सम्बद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और उनके रक्षोपाय। • भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव। • सामाजिक सशक्तीकरण, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्म-निरपेक्षता।
टेस्ट 3 (4261)	**जुलाई 12, 2025**	**GS 2: राजव्यवस्था + अंतर्राष्ट्रीय संबंध**	**राजव्यवस्था एवं भारतीय संविधान** • भारतीय संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना। • संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढांचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियां, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियां। • विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान। • भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना। • संसद और राज्य विधायिका संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियां एवं -विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय। • कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। • जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं। • विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और उत्तरदायित्व। • सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय। **अंतर्राष्ट्रीय संबंध** • भारत एवं इसके पड़ोसी-संबंध। • द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार। • भारत के हितों, भारतीय परिदृश्य पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव। • महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएं और मंच उनकी संरचना, अधिदेश।

टेस्ट 4 (4262)	**जुलाई 15, 2025**	**GS 2: शासन + सामाजिक न्याय**	**शासन** • सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय । • विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका। • शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और संभावनाएं; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय। • लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका। **सामाजिक न्याय** • केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय। • स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय। • गरीबी और भूख से संबंधित विषय।
टेस्ट 5 (4263)	**जुलाई 17, 2025**	**GS 3: अर्थव्यवस्था + कृषि**	**अर्थव्यवस्था** • भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोजगार से संबंधित विषय । • समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय। • सरकारी बजट। • उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव। • बुनियादी ढांचा : ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि। • निवेश मॉडल। **कृषि** • मुख्य फसलें देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न सिंचाई के विभिन्न --प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली-कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएं; किसानों की सहायता के लिए ई-प्रौद्योगिकी। • प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली-उद्देश्य, कार्य, सीमाएं, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन; पशु-पालन संबंधी अर्थशास्त्र। • भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएं, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन । कार्यक्षेत्र एवं महत्व, स्थान, • भारत में भूमि सुधार।
टेस्ट 6 (4264)	**जुलाई 19, 2025**	**GS 3: विज्ञान और प्रौद्योगिकी + पर्यावरण + आपदा प्रबंधन + आंतरिक सुरक्षा**	**विज्ञान और प्रौद्योगिकी** • विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग और रोजमर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव। • विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास । • सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कम्प्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टैक्नोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरूकता। **पर्यावरण** • संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन। **आपदा प्रबंधन** • आपदा और आपदा प्रबंधन। **आंतरिक सुरक्षा** • विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध। • आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्वों की भूमिका। • संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना। • सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियां एवं उनका प्रबंधन संगठित अपराध और -आतंकवाद के बीच संबंध। • विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएं तथा उनके अधिदेश।
टेस्ट 7 (4265)	**जुलाई 21, 2025**	**GS 4: नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि-I**	**नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंधः** • मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र। • मानवीय मूल्य महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका। • भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान। **अभिवृत्तिः** • सारांश (कंटेन्ट), संरचना, वृत्ति; विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचिः सामाजिक प्रभाव और धारणा। **भावनात्मक समझः** • अवधारणाएं तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग। **उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)**

टेस्ट 8 (4266)	**जुलाई 23, 2025**	**GS 4: नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि-II**	**अभिरूचि तथा बुनियादी मूल्य:** • सिविल सेवा के लिए सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना। **शासन में नीतिशास्त्र** • लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्रः स्थिति तथा समस्याएं • सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएं तथा दुविधाएं। • नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतर्रात्मा। • शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे; कारपोरेट शासन व्यवस्था। • शासन व्यवस्था में ईमानदारीः लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार। • नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियां।
टेस्ट 9 (4267)	**जुलाई 25, 2025**	**फुल लेंथ टेस्ट- GS1**	• GS पेपर 1 संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल-लेंथ टेस्ट) भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज
टेस्ट 10 (4268)	**जुलाई 27, 2025**	**फुल लेंथ टेस्ट- GS2**	• GS पेपर 2 संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल-लेंथ टेस्ट) शासन व्यवस्था, संविधान शासन-प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध।
टेस्ट 11 (4269)	**जुलाई 29, 2025**	**फुल लेंथ टेस्ट- GS3**	• GS पेपर 3 संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल-लेंथ टेस्ट) प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन।
टेस्ट 12 (4270)	**जुलाई 31, 2025**	**फुल लेंथ टेस्ट- GS4**	• GS पेपर 4 संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल-लेंथ टेस्ट) नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरूचि।

Heartiest

Congratulations

to all Successful Candidates

10 in **TOP 10** Selections in **CSE 2024**

from various programs of **Vision IAS**

Shakti Dubey

Harshita Goyal
GS Foundation
Classroom Student

Dongre Archit Parag
GS Foundation
Classroom Student

Shah Margi Chirag

Aakash Garg

Komal Punia

Aayushi Bansal

Raj Krishna Jha

Aditya Vikram Agarwal

Mayank Tripathi

हिंदी माध्यम में 30+ चयन CSE 2024 में

Ankita Kanti

Ravi Raaz

Mamata

Sukh Ram

Amit Kumar Yadav

DELHI

HEAD OFFICE
33, Pusa Road,
Near Karol Bagh Metro Station,
Opposite Pillar No. 113,
Delhi - 110005

MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor,
Mukherjee Nagar, Opposite Punjab
& Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office,
above Gate No. 2, GTB Nagar
Metro Building, Delhi - 110009

FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call:
+91 8468022022,
+91 9019066066

enquiry@visionias.in
/@visioniashindi
/visionias.upsc
/vision_ias_hindi/
/hindi_visionias

अहमदाबाद | बेंगलूरु | भोपाल | चंडीगढ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | रांची